जलवायु शरणार्थी और भारत

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-I (भूगोल) & III (पर्यावरण) से संबंधित है।

द हिन्दू

01 अप्रैल, 2022

भारत जलवायु शरणार्थियों के लिए तैयार, केन्द्र ने लोकसभा को बताया

केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और आर.के. सिंह ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्षी सदस्यों के सवालों को टाल दिया कि कैसे भारत ने अपने कोयला संयंत्रों से उत्सर्जन को संबोधित करने की योजना बनाई है और क्या जलवायु शरणार्थियों से निपटने के लिए उसके पास कोई रणनीति है, यह कहते हुए कि सरकार ने इनके लिए प्रावधान किया था और स्रोत के लिए कदम उठा रही थी। इसकी अधिक ऊर्जा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त होती है।

बढ़ता समुद्र का स्तर

जलवायु परिवर्तन पर लोकसभा में चर्चा के हिस्से के रूप में, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) की कनिमोझी और तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय ने जानना चाहा कि क्या सरकार "जलवायु शरणार्थियों" की आमद से निपटने के लिए तैयार है या जो लोग समुद्र के बढ़ते स्तर और मिट्टी के कटाव के कारण तटों और उनके पारंपरिक आवासों से दूर जाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

श्री रॉय ने यह जानने की कोशिश कि संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (सीओपी 26) में अक्षय ऊर्जा के अपने हिस्से को बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को देखते हुए सरकार ने कोयला संयंत्रों और कोयले के खनन और जलने से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण से निपटने का प्रस्ताव कैसे दिया।

श्री यादव, जो केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री हैं, ने पर्यावरण प्रदूषण के कई पहलुओं, जलवायु परिवर्तन पर भारत की स्थिति को नियंत्रित करने वाले तर्क और देश कैसे आर्थिक विकास और पर्यावरण पर इसके परिणामों को संतुलित कर रहा है, पर विस्तृत जवाब दिया।

उन्होंने कहा "पश्चिमी देशों की उनके द्वारा उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को संबोधित करने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है। संभावित जलवायु शरणार्थियों की देखभाल के लिए हमारे पास एक राष्ट्रीय अनुकूलन कोष और राष्ट्रीय आपदा लचीलापन बुनियादी ढाँचा कोष है।"

नए स्रोत

केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने कहा कि भारत ने पेरिस में सीओपी 15 में प्रतिज्ञा की थी कि 2030 तक उसकी ऊर्जा जरूरतों का 30% गैर-जीवाश्म ईंधन से होगा।

मंत्री ने कहा "हम पहले से ही, नवंबर [2021] तक, गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हमारी ऊर्जा जरूरतों का 40% सोर्सिंग कर रहे हैं और 2030 तक इसे 62% तक बढ़ा देंगे। अंतर्राष्ट्रीय जलवायु ट्रैकर्स ने प्रमाणित किया है कि हम एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था हैं जिनके उत्सर्जन मार्ग वैश्विक तापमान को दो डिग्री की वृद्धि से नीचे रखने के अनुरूप है। कोयला संयंत्रों पर चर्चा करते समय यह संदर्भ महत्वपूर्ण है और हम उन कुछ देशों में से हैं जिन्होंने स्वच्छ उत्सर्जन की दिशा में कई अन्य देशों के विपरीत, हमारी महत्वाकांक्षाओं को उठाया है।"

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. जलवायु प्रवासी पर्यावरणीय प्रवासियों का एक उपसमूह हैं जिन्हें "प्राकृतिक वातावरण में अचानक या क्रमिक परिवर्तन के कारण" पलायन करने के लिए मजबूर किया गया था।
2. जलवायु शरणार्थी वे समूह हैं जो मुख्य रूप से समुद्र के स्तर में वृद्धि, चरम मौसम की घटनाओं और सूखे और पानी की कमी से प्रभावित होते हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(क) केवल 1
(ख) केवल 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) कोई नहीं

Expected Question (Prelims Exams)

Q. Consider the following statements.

1. Climate migrants are a subset of environmental migrants who were forced to flee "due to sudden or gradual alterations in the natural environment.
2. Climate refugees are those groups who are mainly impacted by sea-level rise, extreme weather events, and drought and water scarcity.

which of the above statements is /are correct?

(a) 1 only
(b) 2 only
(c) Both 1 and 2
(d) None

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. उन विभिन्न कारकों पर चर्चा करें जो प्रवासन की ओर ले जाते हैं, विशेष रूप से जलवायु प्रवासियों को और उनके पुनर्वास के लिए अपनाई जाने वाली संभावित नीतियों और उपायों का सुझाव दें। (250 शब्द)

Q. Discuss the various factors which leads to migration especially climate migrants and suggest possible policies and measures to be adopted for their resettlement.

(250 Words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।